**Today’s Poem – 20.09.2014**

**बाप की श्रीमत पर चलकर अपना श्रृंगार करो**

**परचिन्तन में अपना टाइम वेस्ट न करो**

**सिर्फ अल्फ को याद करने से हमारा श्रृंगार हो जाता**

**हमारी आत्मा और शरीर कंचन बन जाता**

**दूसरी सब बातों को छोड़ इसी धुन में रहना**

**हमें लक्ष्मी-नारायण जैसा बनकर दिखाना**

**शान्ति की शक्ति सर्वश्रेष्ठ शक्ति**

**साइंस की शक्ति इससे ही निकलती**

**शान्ति की शक्ति से जो चाहो वह कर सकते**

**असम्भव को भी सम्भव कर सकते**

**वाणी द्वारा सबको सुख और शान्ति देना**

**और गायन योग्य बनना**

**मेरा बाबा**

**ॐ शान्ति !!!**

****